I/3116255/2025

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA
रेल मंत्रालय MINISTRY OF RAILWAYS
रेलवे बोर्ड RAILWAY BOARD

RBA No. 02/2025

No. 2024/APP/6-1/2023-24 New Delhi Dated: 31.01.2025

GMs/All ZRs & PUs.

PFAs/ All ZR & PUs.

Sub: Review of Accountal of expenditure.

Ref: Recommendations of the Public Accounts Committee contained in their First report (18th Lok Sabha) on "Excesses over Voted Grants and Charged Appropriations (2021-22)

The Public Accounts Committee, in its report referred above, has expressed serious concern regarding the recurring issue of misclassification of expenditure. It has been observed that there have been multiple instances of incorrect expenditure booking by Zonal Railways, despite periodic instructions issued by the Railway Board (RBA 23/2023).

This indicates a failure to exercise due diligence in accurately recording expenditure by Zonal Railways and Production Units (PUs), resulting in frequent misclassifications. Such deficiencies in Railway operations not only present a poor image of the Railways but also lead to the inefficient use of scarce budgetary resources.

As per Codal provisions (E- 1349) it is the duty of the executive engineers to ensure that all bills should be correctly allocated to the heads of accounts classification and sub-heads of works concerned. In the case of bills chargeable to works the allocation should be given in full detail as on the sanction estimates. This rule applies to all vouchers, whether cash or adjustment and whether of open lines or of lines under construction.

Further, as per A1, 217 **the primary responsibility for the allocation of all receipts and payments rests with the concerned departmental officers.** Each bill or voucher received from them should show the correct allocation of the receipt/expenditure in the fullest detail. Correct classification should be followed in recording the expenditure in accounts irrespective of whether provision in the budget has been made under correct budget head.

Since the Accounts Department is responsible for seeing, to the extent it is possible for them to do so, that the allocation shown on the initial document is not prima facie incorrect, an immediate special drive to educate the executive branches should be launched using the past instances of misclassification to prevent recurrence. The drive may focus on educating and training staff on the proper accounting of expenditure, as per the Railway codes and manuals on the subject.

In view of the above, the following actions may be ensured:

i. **Enhanced Coordination: Ensure effective coordination between Executive departments and Accounts to enable the concurrent detection and correction of**

I/3116255/2025

errors before the closure of the monthly accounts.

ii. **Strengthening Internal Checks: Strengthen internal audit and checking mechanisms to identify and address areas prone to misclassification.**

iii. **Compendium/Checklist Creation: Develop a comprehensive compendium or checklist outlining common mistakes and misclassifications on your Zone, serving as a guide for staff to prevent recurrence.**

iv. **Leveraging Computerization: Maximize the use of computerization to minimize manual intervention and reduce the risk of human error.**

It is imperative that all instances of incorrect expenditure booking are swiftly identified and rectified before the closure of the Monthly Account.

Signed by
Basant Kumar Singh
Date: 31-01-2025 10:51:10

(Basant K. Singh)
Principal Executive Director/Accounts

भारत सरकार Government of India

रेल मंत्रालय Ministry of Railways

रेलवे बोर्ड (Railway Board)

आरबीए सं. 02/2025

सं.2024/एपीपी/6-1/2023-24 नई दिल्ली, दिनांकः 31.01.2025

महाप्रबंधक,

सभी क्षेत्रीय रेलें/उत्पादन इकाइयां,

प्रधान वित्त सलाहकार,

सभी क्षेत्रीय रेलें/उत्पादन इकाइयां।

विषयः व्यय के लेखा-जोखा की समीक्षा।

संदर्भः "स्वीकृत अनुदान और प्रभृत विनियोग (2021-22) की तुलना में आधिक्य पर लोक लेखा समिति की प्रथम रिपोर्ट (18वीं लोक सभा) में निहित सिफारिशें

लोकलेखासमितिने अपनीउपर्युक्तरिपोर्टमेंव्यय की गलतवर्गीकरणकीपुनरावृत्ति केसंबंधमेंगंभीरचिंताव्यक्तकीहै।यहदेखागयाहैकिरेलवेबोर्ड(आरबीए 23/2023) द्वारासमय-समयपरआवधिक अनुदेशजारीकिएजाने के बावजूदक्षेत्रीयरेलोंद्वारागलतव्ययबुकिंगकेकईमामले देखे गए हैं।

यहक्षेत्रीयरेलोंऔरउत्पादनइकाइयोंद्वाराव्ययकोसहीढंगसेरिकॉर्डकरनेमेंउचिततत्परता बरतने मेंविफलताकोदर्शाताहै, जिसकेपरिणामस्वरूपबार-बारगलतवर्गीकरणहोताहै।रेलपरिचालनमेंऐसीकमियों से नकेवलरेलवेकीछविखराबहोती हैबल्किसीमितबजटीयसंसाधनोंका अक्षम उपयोगभीहोता है।

कोडल प्रावधानों (ई-1349) के अनुसार कार्यपालक इंजीनियरका यह कर्तव्य है कि संबंधित कार्यों के सभी बिलों में लेखा वर्गीकरण के शीर्ष और उप-शीर्ष का सही ढंग से आवंटन किया जाए। निर्माण को प्रभृत बिल के मामले में आवंटन का पूर्ण विवरण दिया जाए जैसाकि स्वीकृत अनुमान में दिया गया है। यह नियम सभी वाउचरों पर लागू होता है, चाहे रोकड़ अथवा समायोजन से संबंधित हो और चाहेओपन लाइन अथवा निर्माणाधीनलाइन से संबंधित हो।

इसके अलावा, ए1, 217 के अनुसार सभी प्राप्तियों और भुगतान के आंवंटन के लिए प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित विभागों के अधिकारियों पर है। उनसे प्राप्त प्रत्येक बिल अथवा वाउचर में प्राप्तियां/व्यय के सही आवंटन का संपूर्ण विवरण दर्शाया जाना चाहिए। व्यय कोखातोंमेंदर्जकरतेसमयसहीवर्गीकरणकापालनकियाजानाचाहिए, चाहेबजटमेंसहीबजटशीर्षकेतहतप्रावधानकियागयाहोयानहीं।

चूंकिलेखाविभागयहसुनिश्चितकरनेकेलिएजिम्मेदारहैकिप्रारंभिकदस्तावेजोंपरदिखाएगएआवंटन स्पष्टरूपसेगलतनहों, इसलिएकार्यकारी शाखाओंकोजानकारी देने के लिएएकविशेषअभियान चलाया जाना चाहिए, ताकिगलतवर्गीकरणकीपूर्वघटनाकीपुनरावृत्तिनहो।इस अभियान में रेलवेकी संहिताओं और नियमावलियों केअनुसारव्ययकी उचितलेखांकनप्रणालीके बारे में कर्मचारियोंकोजागरूकऔरप्रशिक्षितकरनेपर ध्यान दिया जाना चाहिए।

<u>उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए:</u>

i. समन्वय संवर्धनःमासिकखातोंकेसमापनसेपहलेत्रुटियोंकासमवर्तीपतालगानेऔरसुधारनेकेलिएप्रमुख विभागों और लेखा के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

ii. आंतरिक जांचों को सुदृढ़ करनाःगलतवर्गीकरणके संभावित क्षेत्रोंकीपहचानकरनेऔरउनकासमाधानकरने के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा और तंत्र जांच सुदृढ़ करना।

iii. सार-संग्रह/जांच सूची तैयार करनाः जोन के अंतर्गत सामान्य गलतियों और गलत वर्गीकरण को रेखांकित करने के लिए व्यापक सार-संग्रह अथवा जांच सूची तैयार करना जिससे कर्मचारियों के लिए पुनरावृत्ति को रोकने में मार्गदर्शक के रूप में सेवा कर सकें।

iv. कंप्यूटरीकरणकालाभउठाना: मैनुअलहस्तक्षेपकोकमकरनेऔरमानवीय त्रुटियों केजोखिमकोकमकरनेकेलिएकंप्यूटरीकरणकेउपयोगकोअधिकतमकरना।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाए कि मासिक लेखों के समापन से पहले गलत व्यय बुकिंग के उपरोक्त सभी मामलों की पहचान की जाए और अपेक्षित सुधार कर लिया जाए

(बसंत के. सिंह)
प्रधान कार्यपालक निदेशक (लेखा)
रेलवे बोर्ड